

य॥ ० ॥ जातवद्वानसयाऽयद्वियः नाउयद्वियः निजाऽयद्वियः
 लामननाऽयद्वियः नाउयद्वियः निजाऽयद्वियः
 ॥ ० ॥ दिलववनः प्रावियः ननचुविनिनः सफज्जुकादनचुवि
 यालः पूवललाऽयद्वियः सायः स्वकामनिक्कलः निविनिवि
 लवदयानि ॥ ० ॥ शुचूवननजीवलः साहाकेयनिहावनाः

१॥ गङ्गा देवता ॥ २

मनकसू मउदलयनिःसंद्रियूजप्रनवयनितामधिःसकः
यनिगोयुनिताःरुवकुलनिःसकनलसुउरुगं॥ ॐ॥ वा
गगन्धार्हंनवि॥ गङ्गाकदहनयश्चरुनस्यनृयश्चश्चमृग
नमःपञ्चगालियुजिया॥ ॐ॥ ॥ उक्तदविःवलिलायाःउरु
वनविनाशविनाशविनाशयश्चकःसमयाजानम्॥ ० ॥ विनं

महापंकज

२॥ गङ्गा देवता ॥ ३

विनस्यनःसहजानम्श्चकनंकमलासनःरुदयानम्॥ ० ॥
यश्चवृक्षःयश्चरुनस्यनृयश्चदवासूननवःप्रमृदितरुदया॥
० ॥ ॥ उक्तदविःवलिलायाःउरु
नमःपञ्चगालियुजिया॥ ॐ॥ ॥ उक्तदविःवलिलायाःउरु
मनमधुलवकलायाश्चकपञ्चलसनजानसंयनिहवीःमवूम

जल

ॐ लह नू वलाया ॥ ॐ ॥ उम नू क न यियाः गुं न्य क नू द्याः आ लिं
 ग ध ह नू व क नः यी या श्व क वा ना हि आ लिं ग धः स म्ब ल क न यी या
 ॥ ० ॥ ॐ ॥ अ णि स वि न वि न स व सः ऊ हिं ऊ हिं न हिं न हिं जू य म
 म न श्च नू ह न स च द वः व क धा द म द वीः मि न वि ह य न स ह ॥
 व ॥ ० ॥ ॐ ॥ अ ह व न उ क न क न य न ह ना या अ ह व न उ क न क

वि न वि ना श वि नि ह व न न व ना न ल स प्र म दि ल रु लिं ह व
 उ य का का व ॥ ० ॥ ॐ ॥ अ हि नि स स न गु नू वा ल गु वा रु ष्टा
 दि ग्ध हा व अ हा व श्च न म मः न ह ह य व न्ध न ष्टा दि ग्ध न ह य
 मा नू अ म म स हा व ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ आ र ना ग ना टा न क व र्कः णि नि
 ला य न गु न्ध नी श्च नू ह न स च द म ह क प्र ह न न कि न न ॥ ॐ ॥ ॐ

न क न व र्क ॥ १

ॐ ॐ ॐ ॐ

क्रयविवाचनमहाः सामकिदवीरुगनप्रसादिलमयन४
तुनाहू॥ ॥ आगमवदयूनानवधानश्यागधर्मोदिकगु
नउपययम् ॥ ० ॥ यक्वूहमाचनूपयउक्क२सयाचयो
गिनिमाभहचूवःहनुहचूव॥ ॥ भनगुचूवनःसित्यंगः
नधनियारुनयिनिर्वाकवजःतुनासूयि॥ ॥ नागग

कर्म २२

२२॥ ५॥

वहेनवि॥ प्रिगा॥ नमाहू॥ जूकाचूतचूयधचू२स्वव्वीसत्वउः
गाधचू॥ ॥ ननाहू२ननाकनरूहू२दंदाज्जालिंगनयागध
चू२वज्जघ४मूजाधचू॥ ० ॥ ॥ धवनसूसंभूनदहधन२सव
दसूसाहियवज्जमचू॥ ० ॥ ॥ मायादहनिनजंयु२स्वहियकन
नसत्वमहू॥ ॥ नागगंगा नमागि॥ प्रिजकनविहगिः

२२॥ ५॥

१७७

मधुलमाभः स्निग्धानन्दमूर्तिधन्वाश्चक्रवाताहिज्वालिक
नसम्बन्धनानात्रस्निग्धमहाकला ॥ ॐ ॥ ननाहूँ ननाहूँ
२ ननाहूँ ननाहूँ ॥ ॐ ननाहूँ ननाहूँ ॥ ॐ ॥ निलवर्धनचक्रवर्त
प्रतिमूर्तिधन्वाश्चक्रवाताहिज्वालिक ॥ ॐ ॥ वज्रध्वज

गङ्गाधर्मः उमन्वत्वाङ्गः विनमानन्दमूर्तिधन्वाश्चक्रवर्तिका
लयवत्प्राभाप्रिगुलः वृन्तस्निग्धधन्वाश्चक्रवर्तिकाहिज्वालिका
॥ ॐ ॥ दिगाविदिगाः काकाग्यादिः उमजाकिनिदवीः सहजा
नन्दमूर्तिधन्वाश्चक्रवर्तिकाहिज्वालिका ॥ ॐ ॥ नागजुह्विताहिज्वालिका
विज्वालिकाहिज्वालिका ॥ ॐ ॥ नागजुह्विताहिज्वालिका ॥ ॐ ॥

[illegible]

सम्बलधनयिकुवायिनेहंसाशुक्रवाचकमादियामू॥ नः
मकुठकमादिगंवला॥ ॐ ॥ नमश्चमाचुःसम्बललायाः
मनशुद्धीमाचुकीलाशुक्रमाविनाहिनिःवज्रवानाहिः रुद्र
मादियामाचुसाजा॥ ० ॥ सातिंतायनअनमूहसयनः कर्ष
नरवायेगांवाचाशुक्रमाचिनावर्कवनिहकाजः मन्मथुल

हवमीना ॥ ० ॥ प्रियन्वउषागहूं छादिह्नममवजययिस्
यिथुंन्यरुका नारुमविनाहिनिःवज्जवानाहिहुक्कविनूयव
मिअन्धात्रा ॥ ० ॥ गाडानिलिलावज्जःकतियाउलःसतयु
नूववननज्जानाथरसमयाअनन्दरुनिह्नममयुलःसमववः
ज्जवानाहि ॥ ॥ ॥ नागकहंदि ॥ श्रीहन्मवाययियागिनिह्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

हकवादिश्कमलकुलिनाद्यश्चकनहूनउविना॥ ॐ ॥ योगि
निपुक्तविनूषनहूनजिनयिश्गानामूरुचूंविद्यानकमलसांयि
वायि॥ ० ॥ क्रयहूंयोगिनिलयनजाभश्मानिकूलवहियाभ
आदियानसमान॥ ० ॥ सासूरुचयनधाभःकूंविद्यतानाश्च
उसूरुइयियकनसनाथा॥ ० ॥ हनयिग्वजनिहसकू

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मूनविनाश्ननयनानिमाअउरुयनसममभन॥ ॐ ॥
स्वागकामाद॥ हूंविजसकवस्वसमदहानवनसुधाविं
सकनकनधनाश्चाउगाहूजवेदवदनाः द्यादगवगुनन
कभर्ग॥ ॐ ॥ नमामिगीचकैसैस्वनंमानरुयरुवरुय
हननं॥ ० ॥ वगुनविमगिथिथ्यनूर्यःकृषिसमलवि

नखनंश्चतुश्चक्रप्रदक्रिनिःपनिवृत्ताः दविमंयूढप्रकालिम
 हिता ॥ ० ॥ प्रह्लासंयुक्तज्वालिकालिः प्रदाकाकाजूमिसून
 नाश्वायदधवीउकहावाः नमामि श्रीचक्रसम्वलाया ॥ ० ॥
 गगनगुनचननमित्यंधर्थाः तनयिगीता श्रीकूलिभश्चानयमी
 लमनाहर्षः सद्यमधुलज्वा नाधिता ॥ ६६३ ॥ नागगुञ्जलि ॥

२३ लंकाह्वनन ॥ १०

उलंगह्वननः श्रीनिगठनस्वहाश्चन्द्रनीलइमिथीकलकभ
 ॥ ६६ ॥ जगननूकप्रकृयागुधदवी ॥ इक्ष्मात्रविघ्ननाभानि
 दवी ॥ ० ॥ नकानयनप्रिनिनूद्रमालाश्चक्रकलिकयाः
 लनिलोत्पना ॥ ० ॥ वाघुनर्मवक्रप्रत्यालिताश्चक्रलम्बाः
 दनः सर्वाकाका ॥ ० ॥ चवनमननः श्रीउग्रनाभनिमागाश्च

२ अथ नो नो हि कजा ॥ ११

हनयिजुनाघयमवनीनगिगा ॥ ८ ॥ वागकाभाउ ॥ अ
वनिनिहिगजानुनिलसमदहाश्केकनयिनयनहीषम
वदना ॥ ९ ॥ ननाहूँ हूँ ननाहूँ हूँ जामजूनलकीद
लाया ॥ १० ॥ निविधिमघनइमिस्वतिममग्नं २ पाभय
मध्यामीः प्रह्वननाथ ॥ ११ ॥ हवीहनवंप्रह्वनउः

२ यकेकजा ॥ १२

माला २ सानविघ्नइमिगक्रहयहनधम ॥ १३ ॥ विवि
धिनलमोलिलककदहाश्केगनविवाँछिमवलरुल
दायक ॥ १४ ॥ १५ ॥ २ नागनादि ॥ यश्चकयाला ॥ नि
नमोनिश्चक्रघनयश्चमूद्राहननाश्नलमिलमालायीवसा
लाः ॥ यश्चवर्मकारिहृषितनमना ॥ १६ ॥ हूँ हूँ हूँ कालसंजा

नवदनाः पर्वलम्बा न नीलसमयहाः प्रादा विधे निमहा काल
 शपः मृगमृगसदयं रुवायेयाः लायनवृं कृकया लघवा ॥ ० ॥
 वकय काला पिठिनयनाः धा नरुयं कनलीषमवदेना २३६
 प्रकालिनाये कलकलाः उनमकह साक नूनामय ॥ ॥
 कर्लिकया ला का विनरवदाङ्गः नागवनयना गक शुलहना

२ नागसिलमिलनो घूबनामाः २ नागग्राहवनसुहाता ॥
 नाजिनवलमोली का विनमगाः वृद्धमासनसा नरु क विना
 २ प्रमा नूरा ना नवहावाः साखरु कलिमा प्रनूरु न गवदा ॥
 ॥ २०३ ॥ नागमाला मारवज्या गोनिः ह नूवनाया २ पि
 सुवननाथः किह मप्राने ॥ ॥ ॥ यिवयि नमहा नमः महा

२॥ विरवद्वसिग

[illegible]

you win

insuscepting after

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

नामध्यायः ॥ ॐ नमो ब्रह्मयः गुर्वय नमो धर्मायः ना
 नमो नमोः संधायमस्तु मयि त्यागि सगर्तनमः ॥ ॥ गुर्वः
 इया उरिविष्ठाकम्मावृषः संसावननवयावृषधम्मिः गज
 चद्याख्यानकानम्मासंबः थनस्वप्नसयानं सदा बालं
 नामस्मान्नः ॥ सर्ववृषं नमस्यामि धर्मिचरि नरास्तिः

सन्धान् ॥ ॥ वाचिचिर्कृत्यगिगानाउसर्वसन्धाननि
मनुनायास्याः ॥ ॥ संचिचिच्यं वचवाचिचय्यावृक्षरुवयं
ऊगतीदितायः ॥ ॥ वृषचय्याचिचलयाउः संसावः
यातदितायान् ॥ ॥ दम्भनीसर्वयापानाः ॥ ॥ येनावा
नूमादना ॥ ॥ वृतायवासं कश्चिचिचिचि ॥ ॥ श्रीकृष्णसूयसर्व

॥ ॥ यावदसन्निदिः पूर्यानूमादनायानाउः ॥ ॥ श्रीकृष्ण
गउवावधः वृक्षचवलय ॥ ॥ मयावादिनमूरुनयत्किंचि
त्ययसाचिर्कृत्य ॥ ॥ यत्किञ्चावद्यसावद्ययहृद्यावद्यमवच ॥ ॥
वाल्मसूधक्याउः सिल्यमसिल्ययायायातदधिउः ॥ ॥ श्रीकृष्ण
॥ ॥ श्रीकृष्णयायायसमस्त ॥ ॥ श्रीकृष्णयाया ॥ ॥ ॥ नयवन्दसु

आम्यवः नाथनाम ग्रन्थि मं॥ दृग्गं क्रूरिन्दः पिरि मः
युनि यय यनयन॥ ॥ देनाथ कुनया लया जल
मनात्ताः लाहानि पाहा रुद्रयाहाः ॥ वरुणि पाधकी ला
नाः वाववाव दसनाया ना॥ ॥ अथामत्ययं त्वमै न
यतिगं कुनाकाः न रुद्र वं मिदनाथा॥ नकल वी यनः

मया॥ ॥ धनं उ मय्य उं या नायाय सकल्यं नामया ला
विष्णुयामाला॥ धनं व मिशायगु वलसं यायमवुन॥ ॥ न
थाममाननमाननाकालः लाय स्य ॥ ॥ व वसुमेदयं वः रुद्र
वदवर्तुवनमा रुसकि गनपु का सयः यथे वे रा ना॥ ॥
गथा सुष्टिदव उदय रुया उ संसाय मय का सयातः जह रु
या उ जेध काल रुलः थथ रुता संसाय या ॥ ॥ व सकलं रु
काः उ सुव विरय रुयमा धव जमिहा याय॥ ॥ पृथलुना
शान्मृतिमागया वाः ॥ ॥ वथा आगम्या गता वाः सवा

साहा॥ अन्न साहा॥ नैरासा साहा॥ ॥ वायु साहा॥ ॥
 आनाय साहा॥ उर्ध्वमान साहा॥ भुयाय साहा॥ धियमि साहा॥
 ॥ चक्षुष साहा॥ अर्धसायमि साहा॥ नाग साहा॥
 साहा॥ नस्य साहा॥ यक्ष साहा॥ सर्वदिगबला कथाः
 स्य साहा॥ ॥ ॐ इति वरिहसहस्रसंघमि संवत्सरे
 यवि विमि सं॥ ॥ ॐ इति न जस्यो स्या सघनगु
 लितदुतः ॥ इति न सकल विष्णु ना जस्य गुरिल विसदान
 का स्य विष्णु यमाल ॥ ॥ अग्नि न मानि न हवमि न

अयां पति वायु धना धियमि ॥ ॥ अग्नि दवना अदि
 नः नमः नैरासा वायुः कुबलः धनः दिगबालया अदि
 यान् इत्या अविष्णु कथिः धियमि सकल विष्णु ना जस्य वः
 नै लिदाका स्य विष्णु यमाल ॥ ॥ ॐ सा नर ना धिय
 तिष्ठ दवा उर्ध्व चक्षुषा कथि नाम हव दवा समस्तु मि
 रं चना गम धवा रगु र्गमन समस्तु ॥ ॥ ॐ आ नया ह
 ना धियमि साहा दवा अदि न उर्ध्व वनया वाजाः नौगैः चक्षु
 सूर्य अदि नः वृषादिः सकल दवला का अविष्णु वनयाः

२ॐ नमः श्रीमं रुद्राय ॥ ॐ ॥ मङ्गलं श्रीलोकनाथः किमवलमकुला
कुम्भलं वा रुद्रमाः मे प्रिया वरुणा शिष्यवत्तरिकैः नाहं नाहं डयाला
वृक्षावला वरुणं प्रिहवननमिर्नः किल निशमइषा ॥ ५ ॥ गुह्यं सवा
थीसिद्धि विमलसुमलसुमंगलं वा द्विसत्त्वं ॥ ५ ॥ रुद्राहं कालवज्र
पशुपतिरुद्रमकावज्रघ्नं रुद्रहस्ताः प्रियाहं नाहं वज्रविपुलग्नमथ

ग्राहकिनाजीमहस्ताः श्रीकालवत्तरिकैः प्रियादिनमवलग्नवहसि
कुमात्रि ॥ २ ॥ गुह्यं सवा ॥ ५ ॥ संध्यां प्रिलाकवन्तः गुह्यग्नशिष्य
वाधिविक्तासु विक्ताः वृक्षाणालुलाजा विविग्ननिगुह्यं सर्वसर्व
नृकीया गुह्यं सवा ॥ ३ ॥ यद्वा वृक्षावताग्नजं नृकृत्कृतिः सा
नमस्तु वरुणाः सा विमलमालाः सकलरुद्रहस्ताः प्रियावत्तरिकैः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

वा आदिरवयविनिहगाश्रद्धासूचननसिचनमिगा॥ ॥ ग
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ग
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ग
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ग
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ग
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ग

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ग
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ग
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ग
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ग
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ग
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ग

॥

यस्य मूलिगनविदाठरु लवविनाशकलुना॥ — ॥॥॥
 गगनगर्ववि॥ १॥ अक्षकनलयादिगंजगंरुवनदसिलमानवचरुनलम्भ
 गगनस्यलमगगनचरुनचरुनका ला गगनदामचवजवायियाले॥
 द्वैद्वैनमामियचरुदाकिनियचरुगतिनिग्नानदकिनिसवनरुग्यरुगंगा
 वायुर्वैरुगगतिमदविनचरुलुवनविद्यनमालाविद्यनखलियाल



ASHA ARCHIVES

श्री ४४ अक्षरी

1139

ASHA ARCHIVES

